Lecture - 120.

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का वर्णन -

By -
Mamta Rani
Guest Assistant Profe.
Deptt. of History
SNSRKS College,
Saharsa

BA Part - 3rd.
Paper - Ist.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

प्रक्षेपण यान (उपग्रह)
प्रणाली

* उपग्रह प्रक्षेपित यान
P S L B-3 (1980)

* ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण (PSLV) (1993)
यान
↓
इसकी विभिन्न सफलता आती है

* भू-स्थिर उपग्रह प्रक्षेपण
(GSLV) - 2001 में

* आर्थिक रूप से भी लाभ प्रद
क्योंकि विदेशी मुद्रा की प्राप्ति ⇒
सबसे पहले इटली - के एजोनाइट
उपग्रह को प्रक्षेपित किया गया।
इसके बाद बेल्जियम, जापान, अमे,
S. कोरिया आदि।

* अमेरिका की सबसे बड़ी कम्पनी
से भी सेटेलाइट करार। हाल ही में
फ्रांस और रूस के साथ भी उ
उपग्रह प्रणाली में भारत ने प्रयोग
किया
इस प्रकार एडुसैट → (शिक्षा के लिए क्रांति)

चन्द्रयान -1 → चन्द्रमा का अध्ययन
आदित्य -1 → सूर्य का अध्ययन,
MOM → मंगल का अध्ययन के कार्य में भारत आगे होकर विश्व अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर रहा है

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का वर्णन कीजिए।

चरण

1960 के दशक में प्रारंभ -
1962 में विक्रम साराभाई के नेतृत्व में प्रारंभ इसलिए इनको जनक माना जाता है।

1969 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) की स्थापना और सम्पूर्ण जिम्मेवारी दी गई।

1972 से अंतरिक्ष आयोग एवं अंतरिक्ष विभाग का गठन। ISRO को नव अंतरिक्ष विभाग के अधीन रख दिया गया।

उद्देश्य

* दूर-संचार और T.V के प्रसारण में सहयोग करना।
* मौसम संबंधि जानकारी प्रदान करना।
* प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाना एवं उसका प्रबंधन का सूचना देना।
* उद्योग के क्षेत्र में सहयोग करना।
* पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग करना।
* दूर संचार के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण करना

उपग्रह प्रणाली

* 1975 में सर्वप्रथम आर्यभट्ट
* भास्कर-I, रोहिणी I और एप्पल उपग्रह की शुरुआत
* प्रारंभ में रूस के सहयोग से लेकिन आज ISRO आत्म-निर्भर
* भारतीय दूर संवेदी उपग्रह पर टिप्पणी
  यह सबसे आधुनिक और अत्यधिक सक्षम उपग्रह है
* भूगर्भ में छिपे संसाधन का पता लगाना
* भूमि के ऊपर प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाना और समुचित दोहन का मार्ग प्रशस्त करना
* मौसम एवं चुनाव का जानकारी देना
* कोयला संबंधीरेख के बारे में जानकारी देना।
* पर्यावरण संबंधी विषय के बारे में जानकारी

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz